

2823390

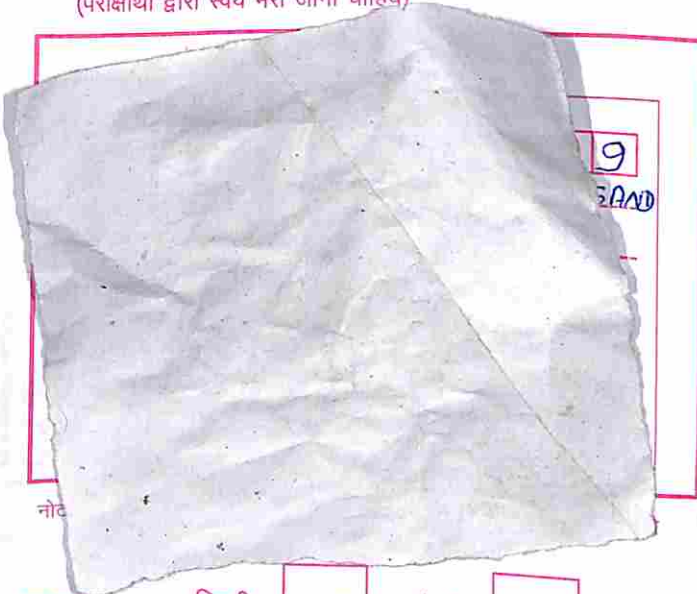
कुल पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)



नोट

माध्यम - हिन्दी अंग्रेजी

विषय AGRICULTURE CHEMISTRY

परीक्षा का दिन रविवार

दिनांक 11-04-22

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	9	19	4
2	4	20	4
3	8	21	
4	1½	22	
5	1½	23	
6	1½	24	
7	1½	25	
8	1½	26	
9	1½	27	
10	1½	28	
11	1½	29	
12	1½	30	
13	1½	31	
14	1½	योग	55 ½
15	1½	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2½	अंकों में	शब्दों में
17	3	56	द्विगुण
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक 36241

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिया कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2021

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकती है।
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केंद्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

SECTION-A

प्रश्. 3

प्रश्न सं.	उत्तर सं.
(i)	ब
(ii)	अ
(iii)	ब
(iv)	अ
(v)	स
(vi)	ब
(vii)	अ
(viii)	स
(ix)	ब

9

प्रश्. 3

(i) श्रुतिका कर्ण पर त्रिणात्मक आवेश कार्य करते हैं,

(ii) ह्यूमस का कार्बन-नत्रजन अनुपात लगभग 10:1 होता है।

(iii) माइक्रोराइजा मृदा से लगातार कार्बोहाइड्रेट अवशोषण करता है।

(iv) सामान्यतः गाय के दूध में 4.9 प्रतिशत लैक्टोज पाया जाता है।

4



परीक्षक द्वारा
प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 3.

उत्तर

उ. 1

सैडस्टोन (बालू पत्थर)

उ. 2

जिस लव पर आवेश होता है उसे आयन कहते हैं।

उ. 3

एक ग्राम दुग्ध वसा से 4 कैलरी ऊर्जा प्राप्त होती है।

उ. 4

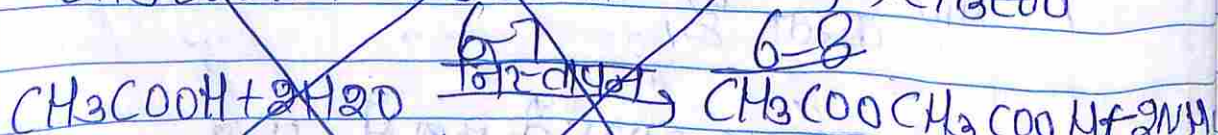
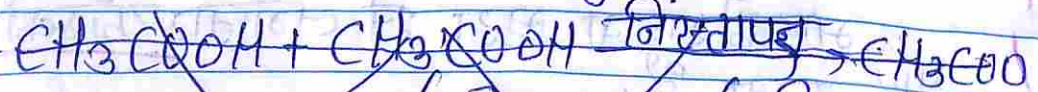
बिस्म का रासायनिक सूत्र :- $\text{CaSO}_4 \cdot 2\text{H}_2\text{O}$

उ. 5

पौधों के लिए पोषक तत्वों की अनिवार्यता की कसौटी वैज्ञानिक डी. आर्डी ऑरबन ने दी थी।

उ. 6

वाइयूरट का रासायनिक सूत्र :-



~~निस्तापन \rightarrow 0^o की उपस्थिति में गर्म करना~~

6.4-6.7 6-8



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

1. (vi) $\Rightarrow 2NH_2CONH_2$ $\xrightarrow{\text{निस्तापन}}$ $NH_2CONHCONH_2 + 2NH_3$
0.2 की उपस्थिति में ठोस बनना

1. (vii) बाइ सीमिया की डिट्टा :-

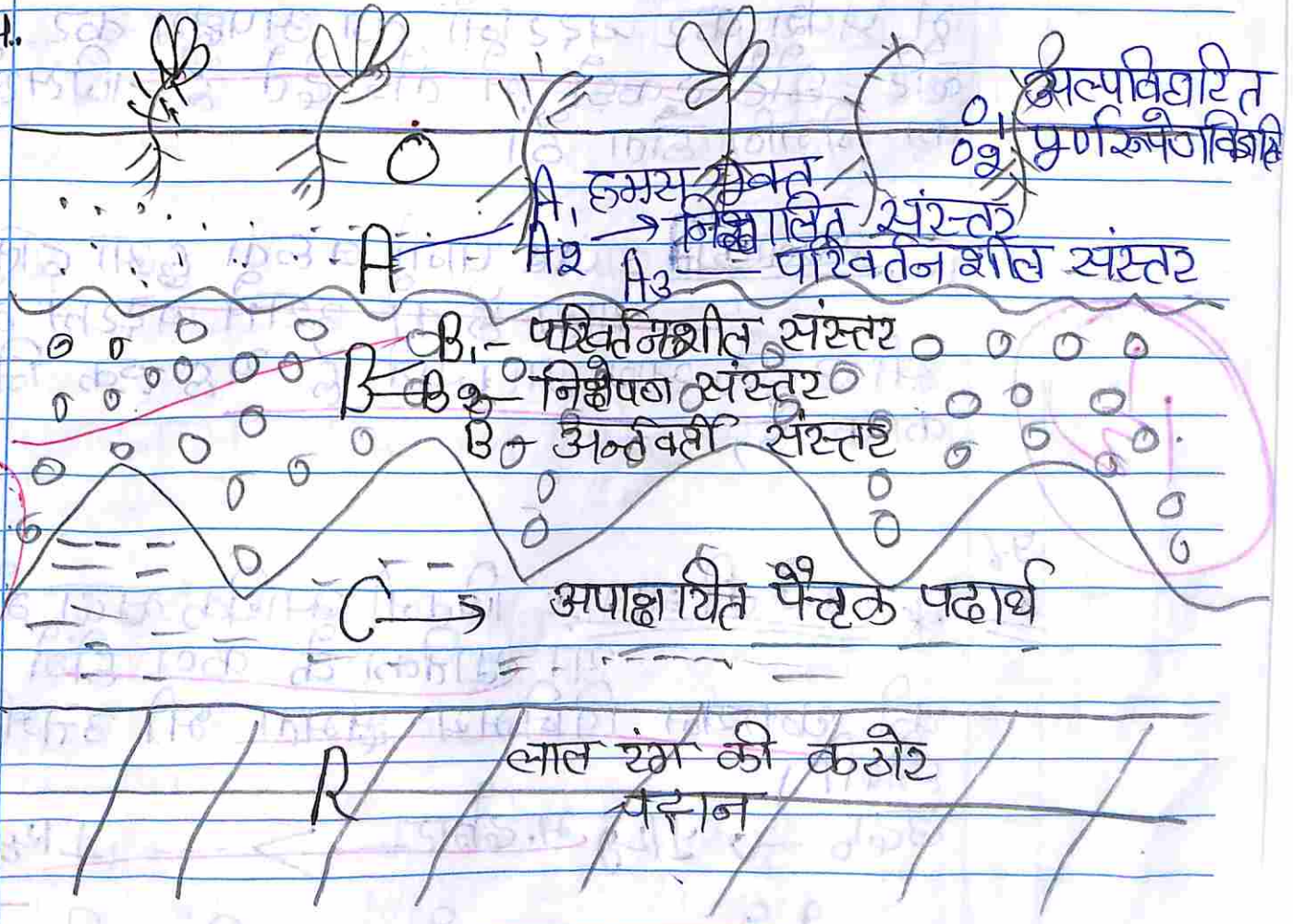
(viii) ~~सूखे ढूँठ का pH = 6.4-6.7 (हल्का अम्लीय)~~
ताजे ढूँठ का pH = 6.4-6.7 (हल्का अम्लीय)

8

SECTION - B

प्र. 4.

उ.



12



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प.६

उ.

(i) जलवायु :- यह श्रद्धा के निर्माण को प्रभावित करने वाला सक्रिय कारक है। इसमें जल वायु आते हैं। जो यद्यपि नम होती है उनका अपक्षय अधिक होता है और श्रद्धा निर्माण भी आवधिक है।

(ii) जीवमण्डल :- इसमें कीड़े-मकौड़े, केचुर, सुकृमज्वी आदि आते हैं जो श्रद्धा में प्रवेश कर यद्यपि का अपक्षय कर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ देते हैं जिससे श्रद्धा का निर्माण होता है।

(iii) स्थलाकृति :- जब पानी बहता हुआ दलिकीतल आता है तो इससे यद्यपि के कण भी उसके साथ आ जाते हैं यह एक निष्क्रिय कारक है।

1/2

प.६

उ.

* वर्ण की मात्रा :- जितनी अधिक श्रद्धा में वर्ण या श्रद्धा के कण होंगे श्रद्धा की धनायन विनिमय हमारा भी उतनी ही होगी।

उदा० → पृथ्वी म. दौमर → → पृथ्वी बहुदौमर

* वर्ण के प्रकार :- वर्ण या श्रद्धा तीन प्रकार की होती हैं।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1/2	प्र. 7	<p>(i) मॉन्टमोरिलिनाइट के कॅासिनोइड श्लोइड के बढ़ने पर मॉन्टमोरिलिनाइट श्लोइड की CEC बढ़ जाती है। तथा कॅासिनोइड CEC कम होती है इसलिए बढ़ने पर मॉन्टमोरिलिनाइट की CEC भी कम हो जाती है।</p>
1/2	प्र. 8	<p>अगर मृदा की C.E.C. अधिक होती है तो मृदा भी उर्वर होगी। * मृदा की उपस्थिति से मृदा की CEC बढ़ जाती है और मृदा की उर्वरता भी बढ़ जाती है। * सतह के क्ले की CEC कम होती है उस स्थिति में मृदा भी कम उर्वर होती है। * मृदा में वायु के संग्रह होने से मृदा की CEC के साथ-साथ मृदा की उर्वरता भी बढ़ जाती है। अतः हम कह सकते हैं की मृदा की CEC बढ़ने पर मृदा की उर्वरता भी बढ़ जाती है।</p>
1/2	प्र. 9	<p>मृदा की सतह पर Na^{2+} आयन अधिशोषित हो जाते हैं जिससे मृदा क्षारीय हो जाती है। मृदा पर Na^{2+} आयनों का जमा होना क्षारीकरण कहलाता है।</p> $[Clay] + Na^{2+} \rightleftharpoons [Clay] + H^+$



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

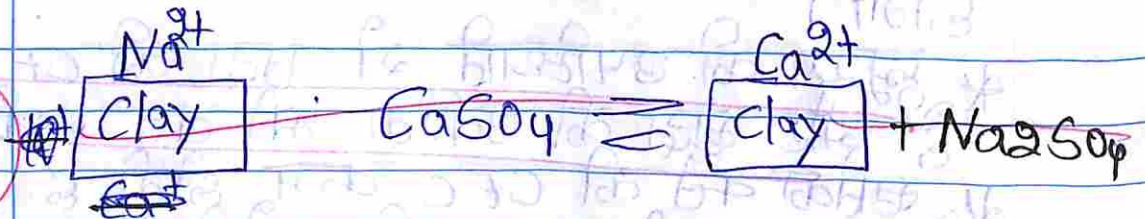
परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 9
उ.

जिप्सम :- Ca - 23.2%
H₂O - 21%

S - 18.6%

जिप्सम का प्रयोग सर्वप्रथम श्री सुधारक के रूप में प्रयोग ग. व. लंदन ने 1942 में किया था। यह भारतीय मृदाओं में निम्न प्रकार से सुधार लाता है :-



प्र. 10
उ.

N की कमी के लक्षण :-

- (i) N की कमी से पौधे बौने रह जाते हैं।
- (ii) N की कमी से पौधा पिले रंग का हो जाता है।
- (iii) कल्ले वाली कसबों जैसे - गेहूँ, गन्ना आदि में कल्ले कम फूटते हैं।

प्र. 11
उ.

- (i) पौधक तत्वों का जड़ी तक स्थानान्तरण
- (ii) पौधक तत्वों का आयन तक स्थानान्तरण
- (iii) सक्रिय
- (iv) निष्क्रिय
- (v)



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

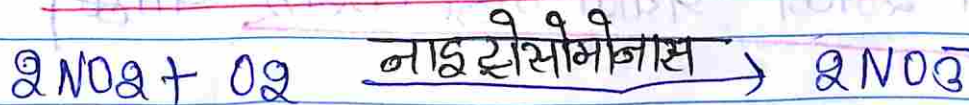
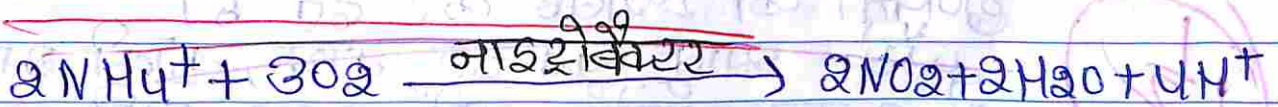
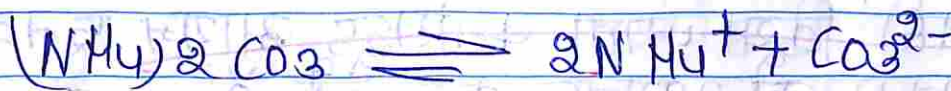
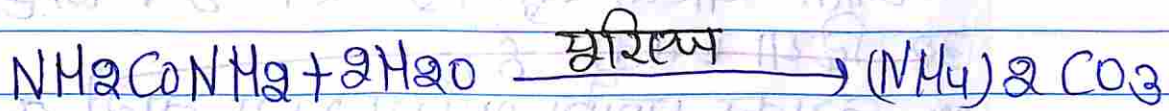
परीक्षार्थी उत्तर

12

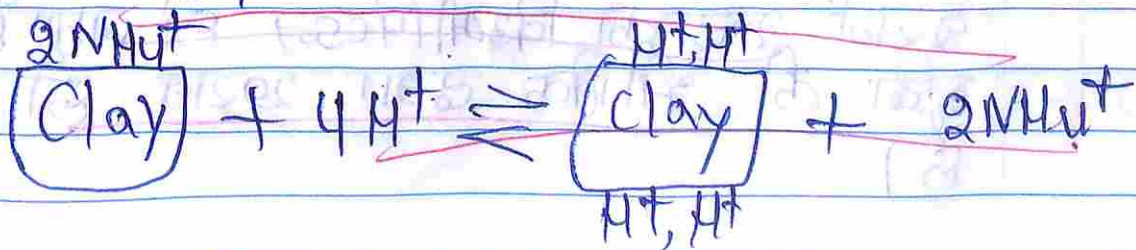
(iii) पौधक तत्वों का पत्तियों तक स्थानान्तरण ।

प्र. 12

उ. श्रिया :-



* श्रिया जल से अभिक्रिया करके अमोनिया दे देती है। पौधे N को अमोनिया में ग्रहण करते हैं जो पौधे अमोनिया के रूप में ग्रहण नहीं करते हैं। उनमें नाइट्रिफिकेशन प्रक्रिया नाइट्रेट आयनों में बदल देता है नाइट्रिसीमिनास प्रक्रिया नाइट्रेट आयनों में बदल देता है जिससे पौधे ग्रहण कर लेते हैं।
* इसके लिए वायु संचार व ताप की आवश्यकता होती है।





परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 13

उ.

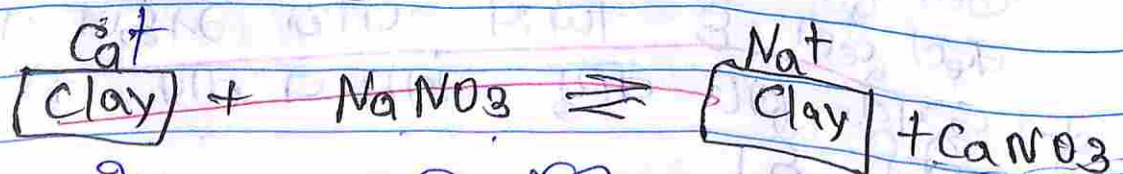
RCL का कसली पर प्रभाव :-

- (i) पीले RCL को रा के रूप में ग्रहण करते हैं।
 - (ii) इसका प्रयोग खड़ी कसल में नहीं किया जाता बल्कि बुआई से पूर्व मिट्टी में उड़ दिया जाता है।
 - (iii) इसका प्रयोग क्षारिय सडा वाली कसली में नहीं किया जाता क्योंकि इस आयन इनकी गुणवत्ता को खराब कर देता है।
- जैसे - आर्सेन, यूरेनियम, वायु, कॉपी आदि में इनका प्रयोग नहीं करना चाहिए।

प्र. 14

उ.

उ के प्रयोग से सडा में सडा की PH बढ़ जाती है और क्षारियता बढ़ जाती है।
जैसे $\rightarrow \text{NaNO}_3$



इसमें सडा का विघ्नपिंडन हो जाता है जिससे सडा की भौतिक दशा खराब हो जाती है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
----------------------------	---------------	-------------------

(ii) Fe का विषैला प्रभाव :-

(i) इसका प्रभाव कसलों की जड़ी पर पड़ता है। पत्तियों पर भुरापन, सुखापन व तौब जैसा रंग आ जाता है।

प्र. 5
उ. 3

(ii) S. D. P. का रासायनिक संगठन :-

- नमी - 0.5%
- CP - 16%
- हार्डव - 4%

1
1/2

(iii) बरसीम की फसल में Ca की कमी का लक्षण :-
बरसीम की फसल में Ca की कमी पत्तियाँ छोटी व मोटी हो जाती हैं।

प्र. 6

SECTION - C -

Q16.
उत्तर

हमस के दुः भौतिक गुण निम्न प्रकार हैं :-



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(i) ~~हमस एक काले भूरे रंग का पदार्थ होता है यह एक कौसाइडी पदार्थ है।~~

(ii) ~~हमस के कौसाइडी कणों पर त्रहणावेश पाया जाता है।~~

(iii) ~~हमस अम्लीय होता है क्योंकि इसके घटक अम्लीय होते हैं।~~

(iv) ~~हमस की जलधारण क्षमता अधिक होती है तो इसकी वायु संधार भी अधिक होता है।~~

(v) ~~हमस में सुषुप्तता व संकुचन का गुण कम पाया जाता है तथा फैलाव व संकुचन का गुण अधिक पाया जाता है।~~

(vi) ~~यह आर्कताग्राही होता है अथवा वायुमण्डल से नमी को अवशोषित कर लेता है। हमस की अधुनायन विनिमय क्षमता अधिक होती है।~~

(vii) ~~यदि मृदा में हमस हो जाती ताप के प्रति प्रतिरोधकता आ जाती है।~~

2/3



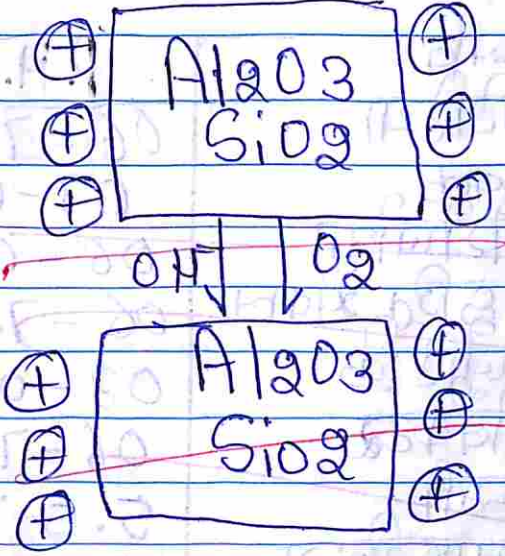
परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 7.
उ.

कैओर्निनाइट समूह की पंक्ति संरचना



कैओर्निनाइट का सूत्र: $Al_4Si_4O_{10}(OH)_8$

- यह 1:1 संरचना की परत होती है अर्थात् एक परत ल्यूमिना की व दूसरी परत सीलिका की होती है।
- सीलिका की परत
- दोनों परतें आपस में O_2 व OH से जुड़ी होती हैं।
- इसकी आन्तरिक संतुष्टि कृपाशिल होती है।
- इसलिए इसकी प्रसारता दूरी कम होने के कारण सुघट्यता, संसृजन, कैलाव, संकुचन का गुण कम पाया जाता है।
- 3 → दोनों परतों के आपस की दूरी कम होती है।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 18

उ.

मृदा PM का सूक्ष्म जीवी पर प्रभाव

सूक्ष्म जीव	P.M.
बैक्टीरिया	06-7.5
कवक	03-0.9
प्रायोजीवा	06-08
निल. इरिडोसोला	06-7.5
विज्यूरीक	03-09
एजोवकट	06-7.5
प्लगी	5.5-7.5
एजोस्पाइरीलम	5.5-7.5

क सूक्ष्म जीवी की प्राय के कम बढ़ या अधिक हा मात्रा होने पर सूक्ष्म जीवी की क्रियाशीलता रुक जाती है।

क अधिकतम सूक्ष्म जीव उदासीन मृदा में अधिक क्रियाशील होते हैं।

क सूक्ष्म जीव PM 6.5-7.5 के मध्य इन्की क्रियाशीलता बढ़ जाती है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
----------------------------	---------------	-------------------

Q. 19.

Q.

दुब की अभलता :-

★ उद्देश्य :- यह परिष्करण दुब की अभलता को कम करने के लिए किया जाता है तथा दुब के तुल्यपन को जाँच के लिए यह परिष्करण किया जाता है।

दुब में अभलता 0.12-0.18 होती है।

अभलता दो प्रकार की होती है :-

(i) प्राकृतिक अभलता :- यह अभलता दुब में फां का कार्बोन डाइऑक्साइड, साइट्रेट, CO_2 आदि के कारण होती है।

इसमें अभलता 0.12-0.14 होती है।

(ii) विकासित अभलता :- लैक्टोज शर्करा के किण्वन से लैक्टिक अम्ल बनता है जो दुब की अभलता बढ़ा देता है।

★ विधि :-

आवश्यक उपकरण :- ब्यूरेट, पिपेट, कोनिक्ल फ्लास्क, कप, बिकर।

रसायन :- $NaOH$ विलयन, किनीथी लिन सूचक।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सिद्धान्त: यह अवल व क्षार का अनुमापन है
 अंतिम बिंदु पर उदासीनीकरण की
 प्रकृति होती है तथा दुब, ड्रॉक से गुसानी
 हो जाता है। स्पंद से

अवला निम्न प्रकार से ज्ञात कर सकते हैं-

$$\frac{\text{प्रयुक्त NaOH की मात्रा} \times 0.01 \times 100}{10}$$

★ प्रेक्षण क्षारिका

दुब का नमूना	दुब की मात्रा (m.l.)	व्युत्पन्न पदार्थ का ऊ. का पदार्थ	निका पदार्थ	प्रयुक्त NaOH
A	10 ml	10.0	11.7	1.6
A	10 ml	11.7	13.3	1.6
A	10 ml	13.3	14.9	1.7



कीप



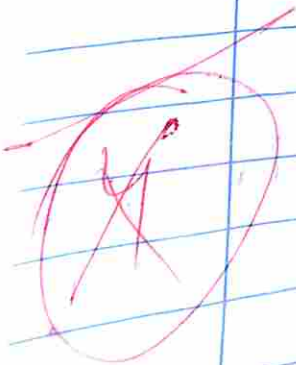
बीकर



दुब



पिपेट





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

परीक्षार्थी उत्तर

- ★ विधि :-
 (i) सर्वप्रथम कोनिकल क्लेसिक में NaOH विलयन डाला जाता है।
 (ii) पिपेट की सहायता से कोनिकल क्लेसिक में डूब लिया जाता है।
 (iii) डूब में दो बूँद किनोफथैलीन सूचक की डालते हैं।
 (iv) ल्यूरेट की सहायता से बूँद-बूँद NaOH विलयन डालते हैं।
 (v) और उसे हिलाने रहते हैं।
 (vi) यह प्रक्रिया दो तीन बार दोहराई जाती है।

★ परिणाम :- यदि डूब में अम्लता 0.12-10.18 होती है तो डूब ताजा है। अन्यथा डूब ताजा नहीं है।

★ सावधानियाँ :- यह परिष्कण गंधकी वाले स्थान पर नहीं करना चाहिए अन्यथा लुग्गैस अम्लता को प्रभावित करती है।

- (ii) NaOH विलयन बूँद-बूँद ही डालना चाहिए।
 (iii) पारथक नुकचक्रक की छपरी सतह से पढ़ना चाहिए।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 20

उ.

कम्पोस्ट बनाने की नार्डप विधि:-

यह विधि महाराष्ट्र के नार्डप काक द्वारा विकसित की गई है।

* इसमें निम्न अवशेष होते हैं:-

(i) पानी

(ii) सुखी हनी मृदा 1750 kg

(iii) 1500 kg घास/अवशेष, कपास के डंठल वगैरह की पत्तियाँ।

(iv) 100 FYM ।

* नार्डप कम्पोस्ट टैंक :-

* (i) टैंक बनाने के लिए ऊँचे दायाद्वार स्थान का प्रयोग करना चाहिए।

* टैंक की निर्माण ईंटों व पत्थर से किया जा सकता है।

* टैंक के निर्माण के लिए निचे के बिली की छुड़ाई मिट्टी से व ऊपर की छुड़ाई मिट्टी से करते हैं।

* टैंक की लम्बाई 6 फीट, चौड़ाई 3 फीट 10 फीट चौड़ाई रखते हैं।



परीक्षक द्वारा प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

- * टैंक के दिवार की मोटाई 9 इंच रखते हैं।
- * टैंक की दिवारों में ईटी के मध्य 7 इंच का दूरी छोड़ देते हैं।
- * यह दूरी 3, वींग वी परत के मध्य रखा जाता है।
- * ताकी हवा का आवागमन हो सके। टैंक के अन्दर व बाहर गीबुर का लेप कर दिया जाता है। इसे सुखने के बाद काम में लेना चाहिए।

~~टैंक बनाने की विधि:~~

* टैंक भरने की विधि :-

पहली परत :- पहली परत 6 इंच मीठी कसल अवशेष की होती है। इसका वजन 1000 ग्राम होता है।

दूसरी परत :- दूसरी परत गीबुर के घोल की होती है। 6 इंच गीबुर 1500 पानी में घोलकर छिड़काव किया जाता है।

तीसरी परत :- तीसरी परत सुखी हनी मूदा की होती है 50-60 ग्राम मूदा ले जाते हैं। वृद्ध में इसे गीबुर से लेप दिया जाता है। कुम्हरे दिनों के लिए छौट दिया जाता है। इस ऊपर से शोपीनुमा आकार दिया जाता है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

दूसरी भराई :- दूसरी भराई 2-3 दिन बाद
जाता है जब तक 9 इंच खाली हो
कृत्तन पूरा का काम हो जाता है
और उसे सीपडी गुमा आकार के होते हैं
3-4 महीने में खाद सड़कर तैयार हो
जाती है।
तत्पश्चात् काम में ले लीते हैं। इसका
वजन उतना होना है।

* कंपोस्ट प्रयोग विधि :-
सामान्य सूचीयों में 10-15 टन / 1 ई. व
सूचीयों में 20-25 टन प्रति ई. का
बुनाई के 3-4 सप्ताह पूर्व मिट्टी की ऊपरी
परत पर बिड़काव जाकर ई. बाह में हल्की
पुताई करके खेत में मिलाते हैं।

समाप्त



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1087021



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021



परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त क्र. संख्या	प्रश्न संख्या
---------------------------------------	------------------

BSEH-168/2021

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-16/2021



परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
-------------------------------	------------------

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEER-168/2021

